# प्रमुख वन संरक्षक, (HoFF) उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में दि0 13–07–2020 को वीडियो कॉन्फ्रैसिंग द्वारा आयोजित ''उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार समिति'' की 10 वीं बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक 13–07–2020 को वीडियो कॉन्फ्रैसिंग द्वारा उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार समिति (आर0ए0सी0) की बैठक श्री जयराज, प्रमुख वन संरक्षक, (HoFF) उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित सदस्यों/उनके प्रतिनिधियों की सूची संलग्न है **(संलग्नक–1)**।

2. अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। श्री संजीव चतुर्वेदी, वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, उत्तराखण्ड द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये बैठक में अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु उनका आभार व्यक्त किया गया तथा पूर्व निर्धारित एजेन्डे के अनुरूप विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई (पावर पॉइन्ट प्रस्तुति, **संलग्नक–2**), जो निम्न प्रकार है :–

## 1. गतिमान अनुसंधान कार्यों की समीक्षा :–

वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त द्वारा गतिमान अनुसंधान कार्यों की प्रगति का प्रस्तुतीकरण दिया गया। गतिमान अनुसंधान कार्यों की समीक्षा के सम्बन्ध में मुख्य सुझाव निम्न प्रकार हैं :–

1.1 प्रमुख वन संरक्षक महोदय एवं अनुसंधान सलाहकार समिति ने अनुसंधान वृत्त के फील्ड स्टाफ एवं जे0आर0एफ0 द्वारा अल्प समय में कड़ी मेहनत से किए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की ।

1.2 अध्यक्ष महोदय ने मियावाकी विधि से किये जा रहे वृक्षारोपण कार्यों का क्षेत्र बढ़ाकर 15–20 है0 किये जाने व अन्य वन प्रभागों में इसी प्रकार का कार्य किये जाने का सुझाव दिया।

1.3 अपर प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैम्पा परियोजना, देहरादून ने अनुसंधान वृत्त द्वारा किये गये कार्यों को सतत् बनाने हेतु सुझाव दिया।

## 2. वर्ष 2020–21 हेतु प्रस्तावित नये प्रयोगों की स्वीकृति :–

वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त द्वारा वर्ष 2020–21 में साल क्षेत्र, हल्द्वानी एवं पर्वतीय क्षेत्र, नैनीताल के अन्तर्गत प्रस्तावित प्रयोगों का प्रस्तुतीकरण दिया गया। समिति द्वारा लिये गये निर्णय निम्नवत हैं–

| S. N. | Name of proposed experiment | Period | Amount (Rs. in lakh) | Remarks |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Evaluating Role of Bio-Fencing in Mitigation of Human-Elephant Conflict | 2020-21 To 2026-27 | 36.55 | Approved by RAC.<br>Members of the RAC suggested that other species such as Lemon grass and Northeast Chili should also be included in Bio-fencing.<br>The RAC was informed that the Research Wing has already explored in detail about the effectiveness of Lemon grass and found that elephants being intelligent creatures have learnt that lemon grass in not harmful to them, thus rendering it ineffective as a Bio-fence. Northeast chilli was exluded because the cost of procuring it from Assam, regularly, would be too high which will make its bio-fencing impractical in Uttarakhand. |
| 2 | Rehabilitation of Eupatorium adenophorum Infested Area | 2020-21 to 2026-27 | 67.50 | Approved by RAC.<br>Dr. J.S. Bisht also suggested to explore the use of removed weed for organic manure and other purposes. Dr. B.S Adhikari, later on, in sepprate mailed comments, suggested to take into account the earlier efforts at Bans-Maitoli Van Panchayat (Pithoragarh) and some grass species into account, in this experiment. |
| 3 | Establishment of Gymnosperm Botanical Garden | 2020-21 To 2025-26 | 14.15 | Approved by RAC with the suggestion to include Chilgoza Pine *(Pinus gerardiana)*. |
| 4 | Study on the Impact of Soil Moisture Conservation Works on | 2020-21 To 2026-27 | 28.65 | Approved by RAC, with the suggestion to include only southern aspects of the proposed areas of the study.<br>The RAC was informed that the suggestion has been incorporated in the design of the proposed study, which has already been mentioned in the copy circulated to the members.<br>APCCF, Planning and Financial Management suggested that impact of SMC works on soil erosion should also be included in the study. |
| 5 | Study on the Ecological Impact of Tourism on Bugyals | 2020-21 To 2029-30 | 38.35 | Approved by RAC.<br>PCCF (HoFF) recommended other factors such as over-grazing, which are responsible for deterioration of Bugyals to be included in the proposed study. |
| 6 | Study on Distribution and Conservation of Algae Species of Uttarakhand | 2020-21 To 2025-26 | 38.20 | Approved by RAC. |
| 7 | Soil Testing Laboratory for Garhwal Region | 2020-21 to 2021-22 | 58.40 | Approved by RAC. |

**3.वर्ष 2019–20 में समाप्त हो रहे प्रयोगों की समयावधि बढ़ाने हेतु स्वीकृतिः–**

वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त द्वारा वर्ष 2019–20 में साल क्षेत्र, हल्द्वानी एवं पर्वतीय क्षेत्र, नैनीताल मे समाप्त हो रहे प्रयोगों की समयावधि बढ़ाने हेतु प्रयोगों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। समिति द्वारा लिये गये निर्णय निम्नवत हैं–

| S. no | Name of Project | Period | Extension Required till (year) | Reason | Remarks |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Establishment of Demonstration plot for different RET species | 2015 to 2020 | 2024-25 | Slow growing species from outside the state require more time. Addition of more RET species from South and North-East India planned. | Approved by RAC. |
| 2 | Protection and conservation of Varangu (*Carallia integrima*) at Goltappad compartment no. 7B Dehradun Division | 2014-15 to 2019-20 | 2021-22 | Restricted distribution in North India – requires more time for establishment of a sustainable seed production. | Approved by RAC. |
| 3 | Establishment of Demonstration area of Ekdania (*Vridelia retusa*) at Kalsi compartment No.13 | 2014-15 to 2019-20 | 2022-23 | Requires more time for successful establishment. | Approved by RAC. |
| 4 | Plantation, Suitability trial and Survival study of Salix Hybrid Clones (Trishula compartment no. 1) | 2015-16 to 2019-20 | 2020-21 | Requires more time for successful establishment. | Approved by RAC. |
| 5 | Suitability trial of Shillong (NE) Kaphal at Ranikhet, Uttarakhand (Dwarson compartment no. 16) | 2015-16 to 2019-20 | 2022-23 | Requires more time for fruiting. | Approved by RAC. |
| 6 | Establishment of Genti demonstration area (Dogada Van Panchayat, Bhujiyaghat) | 2015-16 to 2019-20 | 2022-23 | Requires more time to reach seeding stage. | Approved by RAC. |
| 7 | Study of Ecological and Social Economics of Yarsa Gambu (Keeda Jadi) (Van Panchayat 1 – Sela, 2 - Sumdum, 3 – Seepu, high- Himalayan areas adjoining Dharchula) | 2020-21 | 2022-23 | Lockdown due COVID – 19 restricted the progress of the project during current year. | Approved by RAC. |
| 8 | Upscaling Research on Assessment of Productivity, Hydrological Behaviour, Resource Conservation and Intangible Benefits of Selected Commercial Bamboo Species in Uttarakhand. | 2019-20 | 2022-23 | As per Dr. Rajesh Kaushal (ICAR_IISWC), more time is required for meaningful data collection. | Chairman of the commitee directed that the IISWC, Dehradun will be invited to brief the officers in Forest Head Quarters about the study they have done on the role of Bamboo in Carbon Sequestration and Soil and Water Conservation, and thereafter a decision will be taken on their request for extension of duration and funds for the ongoing 3 years study. |

3.मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक, अनुसंधान ने समिति को यह अवगत कराया कि अनुसंधान वृत्त की पिथौरागढ़, देहरादून एवं उत्तरकाशी रेंजों में रेंज कार्यालय व आवासीय भवन का मूलभूत ढांचा तक नहीं है व गोपेश्वर एवं गाजा रेंजों में आवासीय भवन उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण कार्मिकों को असुविधा हो रही है। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि अनुसंधान रेंजों का भौगोलिक क्षेत्र काफी विस्तृत है तथा किसी भी 9 रेंजों में कैम्पर वाहन न होने के कारण क्षेत्र में भ्रमण, अनुसंधान एवं सामग्री ढोने के कार्यों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। समिति को शीघ्रातिशीघ्र उक्त भवनों एवं वाहनों के लिये उपयुक्त धनराशि उपलब्ध कराने का निवेदन किया गया।

4.मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक, अनुसंधान ने समिति के समक्ष यह प्रस्ताव रखा कि अनुसंधान वृत्त द्वारा विकसित किये गये विभिन्न संरक्षण स्थलों का क्षेत्र–विशेष में दक्ष व्यक्तियों/संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष निरीक्षण कर 'Status Report' दी जाये, तथा साथ ही भविष्य में संरक्षित प्रजातियों की संख्या में वृद्धि तथा इन संरक्षण स्थलों को भविष्य के शोध केन्द्रों के रूप में विकसित करने के सम्बन्ध में प्रतिवर्ष इस रिपोर्ट में सुझाव दिये जायें। इन रिपोर्टों को प्रत्येक वर्ष अनुसंधान सलाहकार समिति के समक्ष रखा जाये तथा इस सम्बन्ध में प्रतिवर्ष कृत कार्यवाही से समिति को अवगत कराया जाये।

5.मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक, अनुसंधान ने समिति को सूचित किया कि लॉकडाउन हटने के पश्चात प्रत्येक रेंज में कम से कम एक स्कूल, कॉलेज के छात्रों को उक्त संरक्षण स्थलों/नर्सरी का भ्रमण कराकर सम्बन्धित जेआरएफ व फील्ड स्टाफ द्वारा प्रजाति विशेष तथा वनों एवं पर्यावरण से सम्बन्धित विभिन्न जानकारियां दी जायेगी, जिससे कि पारिस्थितिकीय संरक्षण के प्रति उनको सचेत किया जा सके।

## 6. समिति द्वारा दिये गये विशेष सुझाव :–

6.1 अध्यक्ष महोदय ने मानव – वन्यजीव संघर्ष को कम करने हेतु ऐसी वैकल्पिक फसलों के बारे में शोध करने का सुझााव दिया जिनमें वन्यजीवों के द्वारा हानि किये जाने की सम्भावना कम से कम हो। इसमें प्रदेश के विश्वविद्यालयों/संस्थानों का सहयोग लिया जाये व भविष्य में मानव वन्यजीव संघर्ष के अन्तर्गत वानरों एवं जंगली सूअरों के द्वारा की जाने वाली हानि के विषय में भी एक अलग अध्ययन करने का सुझाव दिया गया।मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक, अनुसंधान ने समिति को आश्वस्त किया कि अनुसंधान सलाहकार समिति की अगली बैठक में यह प्रस्ताव रखा जायेगा।

6.2 अध्यक्ष महोदय ने बुग्यालों के उपचार के लिये स्थानीय लोगों की सहभागिता से मानक प्रक्रिया विकसित करने का सुझाव दिया।

6.3 भारतीय वन्यजीव संस्थान के प्रतिनिधि द्वारा ब्रायोफाईट्स के संरक्षण के लिये नैनीताल के निकटवर्ती क्षेत्र धोबीघाट के अन्वेषण का सुझाव दिया गया।

6.4 डा0 अजय रावत, भूतपूर्व प्रोफेसर, कुमाऊं विश्वविद्यालय एवं पर्यावरणविद ने अनसुंधान वृत्त द्वारा वनों को इतिहास एवं संस्कृति से जोड़कर किये गये प्रयासों की सराहना की तथा अन्य ऐतिहासिक सभ्यता, काल एवं ग्रन्थों जिनमें की विविध वनस्पतियों का विवरण

है, उनको भी सम्मिलित करनें तथा 'Ethno-botanical' जानकारियों के अभिलेखण का सुझाव दिया गया। मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक, अनुसंधान ने आश्वस्त किया कि उक्त सुझाव पर अनुसंधान वृत्त की विभिन्न रेंजों में कार्य किया जायेगा।

6.5 मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊं द्वारा यूकेलिप्टस एवं बांस की आयतन सारणी (Volume table) तैयार करने का सुझाव दिया गया। महोदया ने बिच्छू घास के औषधीय गुणों के विषय में पारंपरिक ज्ञान के अभिलेखीकरण का भी सुझाव दिया। मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक, अनुसंधान ने समिति को आश्वस्त किया कि आयतन सारणी तैयार करने के विषय में शीघ्रातिशीघ्र कार्यवाही प्रारम्भ की जायेगी तथा बिच्छू घास के सम्बन्ध में भी उपलब्ध Ethno botanical जानकारी को संधारित किया जायेगा।

6.6 डा0 जोगेन्द्र सिंह बिष्ट द्वारा रानीखेत में अनुसंधान वृत्त द्वारा किये गये मियावाकी प्रयोग की सफलता की की सराहना की एवं अनुसंधान वृत्त द्वारा फर्न, घास, ओक तथा पाईन प्रजातियों के रानीखेत में विकसित संरक्षण स्थलों की सराहना की गयी। वन विभाग को शिक्षण संस्थाओं के साथ एम0ओ0यू0 द्वारा पारिस्थितिकी एवं वैश्विक जलवायु परिवर्तन का अध्ययन करने का सुझाव दिया गया। साथ ही समिति को अपने इस विचार से अवगत कराया कि पशुओं द्वारा चरान से बुग्यालों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं देखा गया है, तथा बुग्यालों के क्षय का मुख्य कारक अनियंत्रित पर्यटन है।

6.7 डा0 एस0के0 लवानिया ने वन अनुसंधान वृत्त द्वारा पारिस्थितिकीय स्तर पर किये गये अध्ययन, विशेषतः निचले पादपों, पर किये गये कार्य की सराहना की। साथ ही उन्होंने हाईब्रिड क्लोनों के परीक्षण का कार्य जारी रखने का सुझाव दिया गया, जिसके सम्बन्ध में मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक, अनुसंधान द्वारा सूचित किया गया कि इन क्लोने के परीक्षण का कार्य गतिमान है।

7. अन्त में वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, उत्तराखण्ड, हल्द्वानी द्वारा अध्यक्ष महोदय एवं सभी सदस्यों/प्रतिनिधियों/विशेष आमंत्रियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं मा0 अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक समाप्त की गयी।

अनुमोदित

24/07/2020

जय राज
प्रमुख वन संरक्षक, (HoFF), उत्तराखण्ड
अध्यक्ष, उत्तराखण्ड वानिकी
अनुसंधान सलाहकार समिति

30/7/2020

संजीव चतुर्वेदी
वन संरक्षक,
अनुसंधान वृत्त, हल्द्वानी
सचिव, उत्तराखण्ड वानिकी
अनुसंधान सलाहकार समिति।

संलग्नक–1

# 13–07–2020 को वीडियो कॉन्फ्रैसिंग द्वारा आयोजित "उत्तराखण्ड वानिकी अनुसंधान सलाहकार समिति" की 10 वीं बैठक में उपस्थित प्रतिभागियों का विवरण

| क्र0 सं0 | प्रतिभागी का नाम व पद | प्रतिभागी का पता | मोबाईल न0 |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री जय राज, प्रमुख वन संरक्षक, (HoFF),उत्तराखण्ड<br>अध्यक्ष, अनुसंधान सलाहकार समिति | कार्या0 प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड | 9412053604 |
| 2 | श्री वी0 के0 पांगती, अपर प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, हल्द्वानी, उत्तराखण्ड | अपर प्रमुख वन संरक्षक, वन अनुसंधान प्रबन्धन एवं प्रशिक्षण, हल्द्वानी, उत्तराखण्ड | 7900888826 |
| 3 | डा0 समीर सिन्हा, अपर प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैम्पा परियोजना, देहरादून | अपर प्रमुख वन संरक्षक/मुख्य कार्यकारी अधिकारी, कैम्पा परियोजना, देहरादून | 9411102075 |
| 4 | श्री गिरिजा शंकर पाण्डे, अपर प्रमुख वन संरक्षक, योजना एवं वित्तीय प्रबन्धन, देहरादून। | अपर प्रमुख वन संरक्षक, योजना एवं वित्तीय प्रबन्धन, देहरादून | 9412087185 |
| 5 | श्री रंजन कुमार मिश्रा, मुख्य वन संरक्षक, प्रशासन, वन्यजीव संरक्षण एवं आसूचना। | मुख्य वन संरक्षक, प्रशासन, वन्यजीव संरक्षण एवं आसूचना। | 9412053093 |
| 6 | श्री मान सिंह, मुख्य वन संरक्षक, कार्य योजना, हल्द्वानी | मुख्य वन संरक्षक, कार्य योजना, हल्द्वानी | 9411398410 |
| 7 | श्रीमती तेजस्वीनी अरविन्द पाटिल, मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊं मण्डल | मुख्य वन संरक्षक, कुमाऊं मण्डल | 9761193278 |
| 8 | श्री संजीव चतुर्वेदी, मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, उत्तराखण्ड<br>सचिव, अनुसंधान सलाहकार समिति | मुख्य वन संरक्षक/वन संरक्षक, अनुसंधान वृत्त, उत्तराखण्ड | 9968859729 |
| 9 | श्री प्रसन्न कुमार पात्रो, समन्वयक, देहरादून जू/वन संरक्षक, कार्ययोजना, चकाता वन प्रभाग, कालसी वन प्रभाग | वन संरक्षक, कार्ययोजना, चकाता वन प्रभाग, कालसी वन प्रभाग | 9412085077 |
| 10 | डा0 एस0के0 लवानिया, प्रोफेसर, गोविन्द बल्लभ पन्त विश्वविद्यालय, पन्तनगर | प्रोफेसर, गोविन्द बल्लभ पन्त विश्वविद्यालय ,पन्तनगर | 8279436339 |
| 11 | डा0 अजय रावत, भूतपूर्व प्रोफेसर, कुमाऊ विश्वविद्यालय, हल्द्वानी | भूतपूर्व प्रोफेसर, कुमाऊ विश्वविद्यालय, हल्द्वानी | 9411196566 |
| 12 | डा0 भूपेन्द्र सिंह अधिकारी, वैज्ञानिक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून | वैज्ञानिक, भारतीय वन्य जीव संस्थान, देहरादून | 9412056031 |
| 13 | डा0 राजेश कौशल, वैज्ञानिक, आई0आई0 एसं0 डब्ल्यू0सी0 देहरादून | वैज्ञानिक, आई0आई0 एसं0 डब्ल्यू0सी0 देहरादून | 7017343431 |
| 14 | श्री जोगेन्द्र बिष्ट, अध्यक्ष लोक चेजना मन्च, रानीखेत | अध्यक्ष, लोक चेतना मन्च, रानीखेत | 99412092701 |